Date 30/05/2020 | Page-1/2 | Saathi

B.A., PART – IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER – I (BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY)
CH-12 (DEMOCRACY)
LECTURE NO. 39 (THIRTY NINE)

By, OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

लोकतंत्रात्मक शासन के भेद

लोकतंत्रात्मक शासन के दो भेद माने हैं – (i) प्रत्यक्ष लोकतंत्र
Direct Democracy
(ii) अप्रत्यक्ष लोकतंत्र या प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र
Indirect Democracy or Representative type of Democracy

(i) प्रत्यक्ष लोकतंत्र –

जब जनता प्रत्यक्ष रूप से शासन कार्यों में भाग लेती है, नीति निर्धारित करती, कानून बनाती और प्रशासनाधिकारी नियुक्त कर उन पर नियंत्रण रखती है, तो उसे प्रत्यक्ष लोकतंत्र कहा जाता है।

हर्नशा के अनुसार,

"शुद्ध रूप में लोकतंत्रीय शासन वह शासन है जिसमें सम्पूर्ण जनता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से बिना कार्यवाहकों या प्रतिनिधियों के प्रभुसत्ता का प्रयोग करती है।"

प्राचीनकाल में ग्रीक नगर राज्यों और भारत के वज्जिसंघ में प्रत्यक्ष लोकतंत्र प्रचलित था।

वर्तमान समय में स्विट्जरलैंड के केवल पाँच कैंटनों (राज्यों) – आउटर अपनजेल, इनर अपनजेल, ऊरी, अण्टरवाल्डेन तथा ग्लारस में यह शासन पद्धति प्रचलित है। प्रत्यक्ष लोकतंत्रात्मक शासन-व्यवस्था कम जनसंख्या वाले छोटे राज्यों में ही सम्भव हो सकती है और वर्तमान समय के विशाल

Scanned with CamScanner

Saathi

Date ___/___/_____

राष्ट्रीय राज्यों में इसे अपनाना सम्भव नहीं है।

(ii) अप्रत्यक्ष या प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र —

जब प्रभुसत्तावान् जनता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से इस प्रकार की प्रभुसत्ता का प्रयोग न कर अर्थात् जनता प्रत्यक्ष रूप से शासन के कार्यों में भाग न लेकर अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से कार्य करती है तो इसे प्रतिनिध्यात्मक या अप्रत्यक्ष लोकतंत्र कहा जाता है।

मिल के अनुसार,
"प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र वह होता है जिसमें सम्पूर्ण जनता अथवा उसका बहुसंख्यक भाग शासन की शक्ति का प्रयोग अपने उन प्रतिनिधियों द्वारा करती है, जिन्हें वह समय-समय पर चुनती है।"

हर्नशा के शब्दों में,
"यह प्रतिनिधियों के माध्यम से सर्वोच्च सत्तावान् जनता का शासन होता है।"

प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्रीय शासन-व्यवस्था में जनता संविधान द्वारा निश्चित अवधि के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है जिससे कानून निर्माण करने वाली एवं शासन-चलाने वाली व्यवस्था का गठन होता है। वर्तमान में यह व्यवस्था काफी लोकप्रिय है। विश्व के अधिकांश राज्यों के द्वारा इसी व्यवस्था को अपनाया गया है।

संभावित प्रश्न :
लोकतंत्रात्मक शासन के भेदों को समझाएँ। कौन सी शासन-व्यवस्था अधिक लोकप्रिय है?

x——x——x——x——x——x

Scanned with CamScanner